व्यर्थ में अपने अनमोल समय को व्यर्थ न गवाएं

ये जो व्यर्थ मनुष्य के मन में चलता है उससे व्यक्ति की एकाग्रता नष्ट होती है। मैं ऐसे कहूँ तो मनुष्य का श्रृंगार ही बिगड़ गया है। क्योंकि जो कुछ मनुष्य सोचता है उसके हर संकल्प के वायब्रेशन सबसे पहले ब्रेन में फैलते हैं। उसका असर सर्वप्रथम मस्तक से, चेहरे से दिखाई देता है। तो जो व्यक्ति बहुत व्यर्थ सोचता है। उसका अपना जीवन तो जैसे विषैला होता ही जाता है। पर एक बैड एनर्जी उसके ब्रेन को जाने लगती है। जो अनेक योग्यताओं को डैमेज करती है। आज के समय में व्यर्थ बहुत बड़ी समस्या है। ब्राह्मणों को ये अवेयरनेस है उन्हें ध्यान रहता है कि हमें व्यर्थ नहीं सोचना है, तो उन्हें पता चलता है कि हम व्यर्थ सोच रहे हैं। संसार में जो लोग हैं उसमें भी विशेष जो युवा वर्ग हैं, मात्र शक्ति है, मैं दोनों की बात इसलिए कर रहा हूँ कि जब बड़े हो गए और मनुष्य अपने काम-धंधे में लग गया तो उनका व्यर्थ थोड़ा कम भी हो जाता है। लेकिन मात्र शक्ति और युवक भिन्न-भिन्न तरह से व्यर्थ के शिकार होते रहते हैं। इससे एकाग्रता खत्म होती है। परमात्म मिलन का सुख चला जाता है। योग-राजयोग जो बहुत बड़ी चीज़ है जिससे हम परमात्म शक्तियां प्राप्त करते हैं, प्यूरिटी को प्राप्त करते हैं, जिससे वास्तव में आत्मा का श्रृंगार होता है, उसकी बीमारियां दूर होती हैं वो योग फिर लगेगा ही नहीं। एकाग्रता होगी ही नहीं। बैठेंगे योग अभ्यास के लिए, मेडिटेशन के लिए मन भटक जायेगा इधर-उधर। इसलिए ये परम आवश्यक है कि हम एकाग्रता को बढ़ाएं, अपने व्यर्थ को पहचानें। किस दिशा में मेरा मन भटक रहा है, क्यों भटक रहा है। क्या ईश्वरीय ज्ञान लेकर हम उससे स्वयं को मुक्त नहीं कर सकते! जिस ज्ञान का हमें युगों से इंतज़ार था। जिस भगवान की हमें तलाश थी, सबकुछ तो हमारे सम्मुख है। व्यर्थ में हम अपने अनमोल समय को व्यर्थ में व्यतीत न करें।

मैं आप सभी को एक थॉट दे रहा हूँ वो है अपने इस जीवन की वैल्यू को समझना। जीवन बहुत वैल्यूबल चीज़ है, और ब्राह्मणों का संगमयुगी जीवन, भगवान के द्वारा मिला हुआ अलौकिक जीवन उसके तो कहने ही क्या! इसमें तो हम अपने श्रेष्ठ भाग्य का निर्माण कर सकते हैं। जिस श्रेष्ठ दिशा में अपने को ले जाना चाहें,जा सकते हैं। जो मुक्ति के जिज्ञासु हैं वो मुक्ति की ओर बढ़ सकते हैं। जो जीवनमुक्ति में हाइअर स्टेटस(ऊँचा पद) प्राप्त करना चाहते हैं तो उनके कदम उसकी ओर बढ़ते जायेंगे।

सूरज अकेला आसमान में चमकता है, पूरे संसार को रोशन करता है। अकेली इष्ट देवी, अकेली महान आत्मा जग के कल्याण के लिए बहुत बड़ी भूमिका निभाती है।

अपने जीवन को वैल्यू देना, सभी अपने से पूछें कि हम अपने को वैल्यू दे रहे हैं क्या? दुनिया में भी, संसार में लौकिक जीवन व्यतीत करने वालों के लिए भी, जीवन बहुत मूल्यवान चीज़ होती है। कई लोग जीवन की वैल्यू को न समझके इसके क्षणों को व्यर्थ गंवाते रहते हैं। और कई परेशान होकर जीवन का अंत करने का ही सोचते रहते हैं। कई तरह की बीमारियां बढ़ती रहती हैं। जीवन को वैल्यू देंगे, बहुत महत्त्वपूर्ण बात है। और जीवन में दो चीज़ें बहुत महत्त्वपूर्ण हैं वो हैं हमारे संकल्प, थॉट, विचार और हमारा समय। कई लोगों को समय की वैल्यू नहीं होती है। पर हमें अपने समय को वैल्यू देनी है। ऐसा समय संगमयुग का समय, भगवान से मिलन का समय, सर्व खज़ाने प्राप्त करने का समय बहुत भाग्यवान और पुण्य आत्माओं को ही प्राप्त हुआ है। रियलाइज़ कर लें, एक्सेप्ट कर लें कि हम बहुत भाग्यवान हैं। बहुत पुण्य आत्मायें हैं। जो स्वयं भगवान हमारे घर में आ गया है। हमारी पालना करने आ गया है। कितनी वैल्यू है इस जीवन की, कितनी वैल्यू है हमारी एकाग्रता की। बहुत ध्यान देना है। क्योंकि अगर व्यर्थ बहुत है, अगर आप अपने घर में रहते हैं व्यर्थ संकल्प चल रहे हैं तो आपके घर में निगेटिव वायब्रेशन फैलते जा रहे हैं। उन निगेटिव वायब्रेशन से अनेक समस्याएं पैदा हो रही हैं। कहेंगे बच्चे सुनते नहीं, बच्चे पढ़ाई नहीं करते, बच्चे फोन पे रहते हैं, बच्चे इधर-उधर लग गये हैं। ज़िम्मेदार आपके घर के वायब्रेशन्स भी हैं। ये आपकी ज़िम्मेदारी है आपके घर के वायब्रेशन्स को पॉवरफुल बनाना। व्यर्थ होगा तो वायब्रेशन्स तो कमज़ोर ही हो जायेंगे। आप ये नहीं सोचिए कि मैं अकेला, मैं अकेली मैं क्या करूँ? नहीं। सूरज अकेला आसमान में चमकता है, पूरे संसार को रोशन करता है। अकेली इष्ट देवी, अकेली महान आत्मा जग के कल्याण के लिए बहुत बड़ी भूमिका निभाती है। वायब्रेशन्स बहुत पॉवरफुल, बहुत पॉज़िटिव करेंगे।

अगर आपका व्यर्थ बहुत चलता है तो उसका इफेक्ट(प्रभाव) आपकी बॉडी पर पड़ता है। टेंशन होती है, चितायें होती हैं, या परेशानियां होती हैं। जिनके कारण बहुत व्यर्थ चलता है। बॉडी पर उसका सीधा इफेक्ट आता है। वो देखने में आता है। अगर हमें स्वस्थ रहना है। अगर हमें अपने घर के माहौल को प्यार और खुशी से भरपूर रखना है। अगर अपने चित्त को शांत करना चाहते हैं तो आज एक संकल्प कर लें कि हम व्यर्थ को समाप्त कर लें। कल्प का अन्तिम जीवन, अन्तिम जन्म व्यर्थ में न बीते यही हमारी बुद्धिमानी होगी, यही हमारी समझदारी होगी।

तो आइए हम सभी मिलकर आज से दृढ़ संकल्प करें, बाबा को अपने प्यार में बांध लें। वो जो हमें संकल्प दे रहा है उनमें रमण करें। तो जीवन भी लाइटफुल हो जायेगा। जीवन आनंद से भर जायेगा। और संगमयुग का एक-एक पल हमें कुछ देने वाला हो जायेगा। हमें महसूस होगा कि हमारा जीवन देवताओं से भी श्रेष्ठ है।

लेह लद्दाख। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर डॉ. ब्र.कु. बिन्नी बहन को क्षेत्र में करुणा एवं आध्यात्मिकता की जागृति के लिए किये गये प्रयासों के लिए 'गुडविल एम्बेसडर' सम्मान से सम्मानित करने के पश्चात् साथ में उपस्थित हैं भिखू संघसेन प्रेसिडेंट,महाबोधी इंटरनेशनल मेडिटेशन सेंटर, पूर्व राज्यपाल आईपीएस किरण बेदी, ब्र.कु. राकेश,माउण्ट आबू तथा अन्य।

दिल्ली-ओम विहार। डॉक्टर्स के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंचासीन हैं दायें से ब्र.कु. सुषमा बहन,पश्चिम विहार सेवाकेन्द्र संचालिका, डॉ. टी.एन. मिश्रा, डॉ. नवीन वाही, डॉ. मुकेश, डॉ. जे.पी. भारद्वाज तथा ब्र.कु. विमला बहन,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका।

नैनीताल-भवाली(उत्तराखण्ड)। एयर फोर्स स्टेशन में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'स्लीप मैनेजमेंट एंड मेंटल एम्पावरमेंट' प्रोग्राम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. कमाण्डर शिव सिंह, ब्र.कु. वीणा बहन,नैनीताल तथा अन्य।

मंगोलिया। भारत की आज़ादी के अमृत महोत्व के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मंगोलिया में इंडियन एम्बेसी एवं मंगोलियन योगा फेडरेशन द्वारा उलानबातर विश्वविद्यालय के खेल परिसर में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ की विभिन्न एक्टिविटीज़ के साथ सक्रिय साझीदारी रही। इस मौके पर मंगोलिया में भारत के राजदूत एम.पी. सिंह, गवर्नमेंट रीप्रेज़ेन्टेटिव्स, साइंटिस्ट्स, म्यूज़ीशियन्स आदि शामिल रहे। इस मौके पर ब्र.कु. इन्ना किम तथा ब्रह्माकुमारीज़ के प्रतिनिधियों ने सभी को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया।

भुवनेश्वर-बीजेबी नगर(ओडिशा)। ब्रह्माकुमारीज़ के शिव संदेश भवन अलारपुर में स्नेह मिलन कार्यक्रम के पश्चात् मंजूश्री,रोट्री डीजीएम एसबीआई भुवनेश्वर, प्रतिभा साहू,ज्वाइंट सेक्रेट्री,हाईयर एजुकेशन डिपार्ट. ओडिशा, स्वप्ना महापात्रा,सीनियर असिस्टेंट महिला विकास समबाया निगम,ओडिशा सरकार, अयशकांत मिश्रा,स्टूडेंट एट आईआईटी,खड़कपुर, तृप्ति प्रभा नायक,अकाउंट्स ऑफिसर,एमवीएसएन आदि को ईश्वरीय सौगात भेंट करने के पश्चात् उपस्थित हैं ब्र.कु. तपस्विनी बहन,मुख्य प्रशासिका,बीजेबी नगर तथा ब्र.कु. रेणुबाला बहन।

दिल्ली-आर.के.पुरम। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'कल्प तरु' परियोजना के तहत रेसिडेंशियल कॉलोनी में आयोजित पौधा रोपण कार्यक्रम में ब्र.कु. अनीता बहन,सेवाकेन्द्र संचालिका, ब्र.कु. स्वाति बहन, ब्र.कु. ज्योति बहन,मोती बाग, अनंत गुप्ता,डायरेक्टर सीडब्ल्यूसी, ओमप्रकाश, ऑफिसर,आकाशवाणी तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

दिल्ली-पीतमपुरा। नवनिर्मित सेवाकेन्द्र 'लाइट हाउस' के उद्घाटन एवं पीतमपुरा में ईश्वरीय सेवाओं के 33 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में ब्र.कु. चक्रधारी दीदी, ब्र.कु. रानी दीदी, ब्र.कु. लाज दीदी, ब्र.कु. प्रभा बहन, सुजीत ठाकुर,एमसीडी काउंसिलर शालीमार बाग,दिल्ली, राहुल जी,बिज़नेसमैन, डॉ. रजनी, डॉ. करुणा तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

जोधपुर-राज.। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ प्रशासक सेवा प्रभाग के अभियान के जोधपुर पहुंचने पर ब्रह्माकुमारीज़ के पावन धाम सेवाकेन्द्र में प्रशासक, कार्यपालक एवं प्रबंधकों के लिए आयोजित 'प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए आध्यात्मिकता' कार्यक्रम में ब्र.कु. हरीश भाई,मुख्यालय संयोजक,प्रशासक सेवा प्रभाग,मा.आबू, प्रभाग की ज़ोनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. डॉ. रीना बहन,भोपाल, राजयोगिनी ब्र.कु. शील दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. फूल दीदी, ब्र.कु. मीनू बहन, शांतनु बंधोपाध्याय,रीजनल पी.एफ. कमिश्नर ग्रेड वन एवं ऑफिस इंचार्ज, राजेश कुमार मीणा,रीजनल पी.एफ. कमिश्नर, डॉ. विनय अभयचंदानी,उमेद हॉस्पिटल जोधपुर, जालम सिंह राठोड,चीफ मैनेजर,आईसीआईसीआई बैंक सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।

लुधियाना-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा गुरु अंगद देव वेटरनरी एंड एनिमल साइंसेस युनिवर्सिटी,लुधियाना में कार्यशाला के पश्चात् उपस्थित हैं ब्र.कु. डॉ. गिरीश डी. पटेल। इस अवसर पर 250 प्रोफेसर्स तथा पीएचडी स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

दिल्ली-विपिन गार्डन। 'कल्प तरु' परियोजना के तहत गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पौधा रोपण करते हुए प्रिंसिपल श्रीमति सीता बहन, ब्र.कु. जानकी बहन तथा अन्य टीचर्स स्टाफ।

रोहड़ू-हि.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के यातायात एवं परिवहन विभाग की ओर से 'सुरक्षित भारत सड़क सुरक्षा जागृति रैली' के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित हैं दाएं से ब्र.कु. सुरेश शर्मा,कोऑर्डिनेटर,ट्रांसपोर्ट विंग,माउण्ट आबू, ब्र.कु. आशा बहन,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका, ब्र.कु. कमल बहन, केदार सिंह चौहान,निरीक्षक,हिमाचल पुलिस तथा अन्य।